

निर्देशा : (i) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः। प्रश्नानुसारम् अङ्काः समक्षे निर्देशिताः।

(ii) उत्तरपुस्तिकायाः प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2
  - (क) आस्तिकनास्तिकदर्शनयोः भेदः व्याख्यातव्यः? (दृष्टव्य-1)
  - (ख) धर्मशास्त्रस्य भारतीयदर्शनस्य च मध्ये सम्बन्धं स्पष्टीकुरुत? (दृष्टव्य-1)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

  - (क) आस्तिक तथा नास्तिक दर्शन में अंतर स्पष्ट कीजिए? (देखें-पाठ-1)
  - (ख) धर्मशास्त्र तथा भारतीय दर्शन में संबंध स्पष्ट कीजिए? (देखें-पाठ-1)
  
2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2
  - (क) प्रस्थानं नाम किम् ? संक्षेपेण लिखत। (दृष्टव्य-2)
  - (ख) याज्ञवल्क्यमते विद्यास्थानविषये किम् उक्तम् ? (दृष्टव्य-2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

  - (क) प्रस्थान क्या है? संक्षेप में लिखिए? (देखें-पाठ-2)
  - (ख) याज्ञवल्क्य के अनुसार विद्यास्थान के विषय में क्या कहा गया है? (देखें-पाठ-2)
  
3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2
  - (क) चार्वाकदर्शनमते मोक्षस्य स्वरूपं किम्? (दृष्टव्य-7)
  - (ख) चार्वाकमते देहात्मवादः कः? (दृष्टव्य-7)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

  - (क) चार्वाक दर्शन के मत में मोक्ष का स्वरूप क्या है? (देखें-पाठ-7)
  - (ख) चार्वाक के मत में देहात्मवाद क्या है? (देखें-पाठ-7)
  
4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4
  - (क) न्यायदर्शनस्य महिमानं वर्णयत। (दृष्टव्य-10)
  - (ख) वैशेषिकदर्शनानुसारं आत्ममनसोः लक्षणे प्रतिपादयत। (दृष्टव्य-11)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

  - (क) न्याय दर्शन की महिमा का वर्णन कीजिए। (देखें-पाठ-10)

(ख) वैशेषिक दर्शन के अनुसार आत्मा तथा मन द्रव्यों के लक्षणों को प्रतिपादित कीजिए।

(देखें-पाठ-11)

**5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत-**

**4**

(क) मीमांसकमते अनुमानस्य स्वरूपं निरूपयत।

(दृष्टव्य-14)

(ख) वेदान्तदर्शनानुसारं विरागस्वरूपं वर्णयत।

(दृष्टव्य-17)

**किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-**

(क) मीमांसक के मत में अनुमान का स्वरूप निरूपित कीजिए। (देखें-पाठ-14)

(ख) वेदान्त दर्शन के अनुसार विराग के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (देखें-पाठ-17)

**6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं 500 शब्देषु लिखत।**

**6**

(क) वेदान्तानुसारं निर्गुणब्रह्मस्वरूपं विस्तरेण विवेचयत। (दृष्टव्य-18)

(ख) वेदान्तानुसारं सगुणब्रह्मस्वरूपं विस्तरेण विवेचयत। (दृष्टव्य-19)

**नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण 500 शब्दों लिखिए-**

(क) वेदान्त के अनुसार निर्गुण ब्रह्म के स्वरूप को विस्तार से समझाइए?

(देखें-पाठ-18)

(ख) वेदान्त के अनुसार सगुण ब्रह्म के स्वरूप को विस्तार से समझाइए?

(देखें-पाठ-19)